

कक्षा : 8

हिन्दी

पाठ : 8

माँ ! कह एक कहानी

अभ्यास / स्वाध्याय



अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(1) राहुल के पिताजी कहाँ भ्रमण कर रहे थे? कब?

➤ राहुल के पिताजी बड़े सबेरे बगीचे में भ्रमण कर रहे थे।

(2) आखेटक ने राहुल के पिताजी से क्या माँगा ?

➤ आखेटक ने राहुल के पिताजी से अपना शिकार माँगा।

(3) उपवन की शोभा कैसी थी ?

➤ उपवन में तरह – तरह के रंगोंवाले फूल खिले थे। उन फूलों पर ओस की बूँदें चमक रही थीं। हवा के हलके झोंकों से जब वे बूँदें एक-दूसरे से मिलती थीं तो उनमें लहर-सी उत्पन्न हो जाती थी। फूलों की सुगंध सारे उपवन में फैली के समय हुई थी। पेड़ों पर बैठे पक्षी कल-कल स्वर में गा रहे थे। इस प्रकार सुबह के समय उपवन की शोभा अत्यंत मनोहर थी।

(4) माँ से कहानी सुनकर पुत्र ने क्या निर्णय सुनाया ?

➤ पुत्र छोटा था, पर बुद्धिमान था। माँ से कहानी सुनकर उसे पक्षी के प्रति सहानुभूति उत्पन्न हुई। उसने कहा कि यदि कोई किसी निर्दोष को मारे तो दूसरा उसे क्यों न बचाए? न्याय में दया की भावना होनी चाहिए। इसलिए रक्षक (बचानेवाला) हमेशा भक्षक (मारनेवाले) से बड़ा होता है ।

(5) प्रस्तुत कथा काव्य का सार लिखिए।

- राजकुमार सिद्धार्थ तप करने के लिए घर-बार छोड़कर वन में चले गए थे। उनकी पत्नी का नाम यशोधरा था। राहुल उनका पुत्र था।
- एक दिन नन्हे राहुल ने माँ से कहानी सुनाने का आग्रह किया। तब यशोधरा ने उसे सिद्धार्थ के बचपन की एक घटना सुनाई।
- एक सुबह सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे। अचानक बाण से घायल एक हंस उनके पास आकर गिरा। सिद्धार्थ ने उसे उठा

लिया। जरूरी उपचार कर उन्होंने हंस को बचा लिया ।

- थोड़ी ही देर में हंस को घायल करनेवाला शिकारी वहाँ आ पहुँचा। उसने राजकुमार सिद्धार्थ से अपना शिकार माँगा । सिद्धार्थ ने उसे हंस देने से साफ इन्कार कर दिया। शिकारी बोला, "यह हंस मेरे बाण से घायल हुआ है; इसलिए यह मेरा है।" सिद्धार्थ ने कहा, "मैंने इसे बचाया है, इसलिए इस हंस पर मेरा अधिकार है। " दोनों में हंस को लेकर विवाद छिड़ गया ।

- अंत में मामला न्यायालय में पहुँचा।
- यशोधरा ने राहुल को इतनी कहानी सुनाकर राहुल से कहा, "अब तू बता कि घायल हंस पर किसका अधिकार होना चाहिए?" राहुल ने कहा, "इस मामले में न्याय दया के पक्ष में होना चाहिए। जिसने घायल हंस को बचाया, उसीको हंस मिलना चाहिए, क्योंकि बचानेवाला मारनेवाले से बड़ा होता है । " माँ ने बेटे की प्रशंसा करते हुए कहा, "तूने कहानी सुनी ही नहीं, उस पर विचार भी किया ।तुझसे ऐसे ही न्याय की अपेक्षा थी । "

2. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्यों को दुबारा लिखिए :

(1) लड़की ने नई सलवार पहनी है ।

➤ लड़कियों ने नई सलवारें पहनी हैं।

(2) अध्यापक ने छात्र को कहानी सुनाई।

➤ अध्यापकों ने छात्रों को कहानियाँ सुनाईं।

(3) प्रधानमंत्री ने अपने मंत्री से देश की समस्या पर बातचीत की।

➤ प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से देश की समस्याओं पर बातचीत की।

(4) इस पत्रिका में जो कविता छपी है, वह बहुत मनोरंजक है।

➤ इन पत्रिकाओं में जो कविताएँ छपी हैं, वे बहुत मनोरंजक हैं।

(5) लू चलने के कारण लता सूख गई है ।

➤ लू चलने के कारण लताएँ सूख गई हैं।

स्वाध्याय

1. काव्य पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :

(1) "वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे,
झलमल कर हिम बिंदु झिले थे,
हलके झाँके हिले-मिले थे,
लहराता था पानी।"
"लहराता था पानी ?
'हाँ, हाँ, यही कहानी।"

- "बगीचे में तरह-तरह के रंगोंवाले फूल खिले थे। उन पर ओस की बूँदें चमक रही थीं। हवा के हल्के-हल्के झोंकों से फूल हिल रहे थे। उन पर ओस का पानी लहराता था। "
- राहुल ने पूछा, "क्या उन पर पानी लहराता था? हाँ, माँ, मुझे यही कहानी सुननी है। "

(2) "तू है हठी, मानधन मेरे,
सुन, उपवन में बड़े सवेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,
जहाँ सुरभि मनमानी ।"
"जहाँ सुरभि मनमानी ?
'हाँ, माँ यही कहानी ।'

- "मेरे बेटे, तू बहुत जिद्दी है ! अच्छा तो सुन ।"
- "एक दिन बड़ी सुबह तेरे पिता बगीचे में घूम रहे थे। उस समय वातावरण में मनपसंद खुशबू फैली हुई थी ।"
- "वहाँ मनपसंद खुशबू खूब फैली हुई थी ? हाँ, माँ यही कहानी सुनाओ।"

2. चित्र के आधार पर अपूर्ण काव्य को पूर्ण कीजिए :



माँ मुझ को भी पौधा दे दे
मैं भी वृक्ष लगाऊँगा.....

माँ, मुझको भी पौधा दे दे
मैं भी वृक्ष लगाऊँगा
रोज उसे दूँगा मैं पानी
बता गई है जैसे नानी
जब वह पौधा पेड़ बनेगा
कितना सुंदर हमें लगेगा ।
वायु प्रदूषण फैल रहा जो
उसको मार भगाऊँगा ।
माँ, मुझको भी पौधा दे दे।

3. एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा: "बीरबल दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है ?

बीरबल ने क्या कहा होगा ? सोचकर कहानी को आगे बढ़ाइए ।

➤ एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा - "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?"

बीरबल ने कहा, "जहाँपनाह, दुनिया में सबसे शक्तिशाली सूरज है। बादशाह ने पूछा, "कैसे?" तब बीरबल ने बादशाह को निम्नलिखित कहानी सुनाई।

एक बार हवा, पानी और सूरज में बहस छिड़ी। तीनों स्वयं को सबसे अधिक शक्तिशाली बता रहे थे। एक देवदूत ने उन तीनों की बातें सुनीं। उसने कहा, “देखो, वह यात्री कोट पहने जा रहा है। जो उसका कोट निकलवा दे, वही सबसे अधिक शक्तिशाली है।”

सबसे पहले हवा आगे बढ़ी और तेज चलने लगी। उसने तूफानी रूप ले लिया। यात्री का कोट फड़फड़ाने लगा। उसने हाथ से कसकर कोट को पकड़े रखा। आखिर हवा ने हार मान ली ।

अब पानी ने अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी । जोर की बारिश होने लगी। यात्री पूरी तरह भीग गया, पर उसने कोट न निकाला । अंत में सूरज की बारी आई। इतनी तेज धूप निकली कि यात्री गर्मी सहन न कर सका। वह पसीना-पसीना हो गया। परेशान होकर उसने कोट निकाल दिया। सबने सूरज की शक्ति का लोहा मान लिया ।

बादशाह ने भी बीरबल की बात का समर्थन किया।

4. अगर पाठशाला के सामने दुर्घटना हुई तो आप क्या करेंगे ?

- अगर हमारी पाठशाला के सामने कोई दुर्घटना हुई तो हम तुरंत पहुँचकर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को स्कूल में लाएँगे। प्राथमिक चिकित्सा पेटी में से दवा और मरहम पट्टी से उसका उपचार करेंगे। यदि चोट अधिक गंभीर हुई तो हम आसपास से डॉक्टर को बुलाएँगे या घायल को अस्पताल पहुँचाएँगे।

5. इस कविता को कहानी के रूप में लिखिए।

- राजकुमार सिद्धार्थ तप करने के लिए घर-बार छोड़कर वन में चले गए थे। उनकी पत्नी का नाम यशोधरा था। राहुल उनका पुत्र था।
- एक दिन नन्हे राहुल ने माँ से कहानी सुनाने का आग्रह किया। तब यशोधरा ने उसे सिद्धार्थ के बचपन की एक घटना सुनाई।
- एक सुबह सिद्धार्थ बगीचे में टहल रहे थे। अचानक बाण से घायल एक हंस उनके पास आकर गिरा। सिद्धार्थ ने उसे उठा

लिया। जरूरी उपचार कर उन्होंने हंस को बचा लिया ।

- थोड़ी ही देर में हंस को घायल करनेवाला शिकारी वहाँ आ पहुँचा। उसने राजकुमार सिद्धार्थ से अपना शिकार माँगा । सिद्धार्थ ने उसे हंस देने से साफ इन्कार कर दिया। शिकारी बोला, "यह हंस मेरे बाण से घायल हुआ है; इसलिए यह मेरा है।" सिद्धार्थ ने कहा, "मैंने इसे बचाया है, इसलिए इस हंस पर मेरा अधिकार है। " दोनों में हंस को लेकर विवाद छिड़ गया ।

- अंत में मामला न्यायालय में पहुँचा।
- यशोधरा ने राहुल को इतनी कहानी सुनाकर राहुल से कहा, "अब तू बता कि घायल हंस पर किसका अधिकार होना चाहिए?" राहुल ने कहा, "इस मामले में न्याय दया के पक्ष में होना चाहिए। जिसने घायल हंस को बचाया, उसीको हंस मिलना चाहिए, क्योंकि बचानेवाला मारनेवाले से बड़ा होता है । " माँ ने बेटे की प्रशंसा करते हुए कहा, "तूने कहानी सुनी ही नहीं, उस पर विचार भी किया ।तुझसे ऐसे ही न्याय की अपेक्षा थी । "

Thanks



For watching